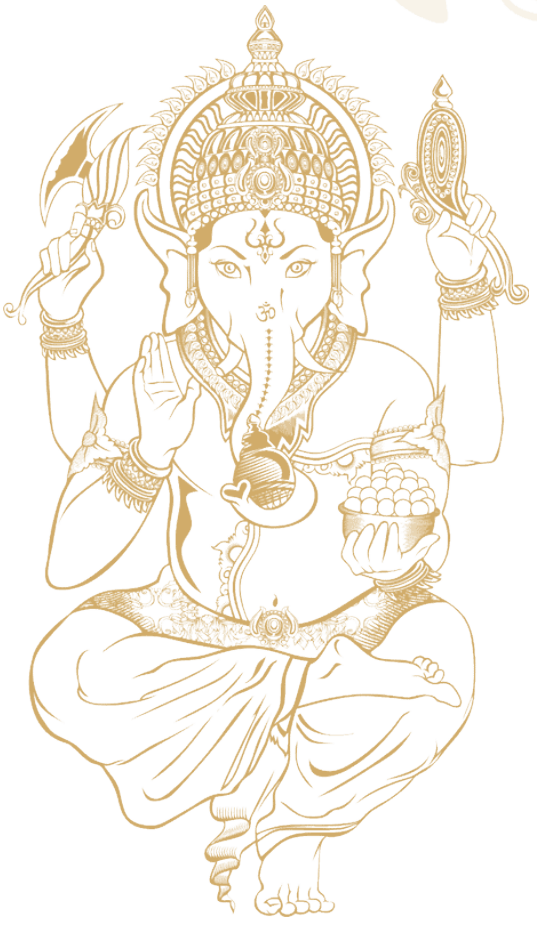

Akashy jain

Pranali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121918904

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
25-26/09/1998 :	जन्म तिथि	: 18/01/1998
शुक्र-शनिवार :	दिन	: रविवार
घंटे 03:10:00 :	जन्म समय	: 14:17:00 घंटे
घटी 51:55:56 :	जन्म समय(घटी)	: 17:47:49 घटी
India :	देश	: India
Pune :	स्थान	: Solapur
18:34:00 उत्तर :	अक्षांश	: 17:43:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:16 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:23:37 :	सूर्योदय	: 07:00:36
18:27:04 :	सूर्यास्त	: 18:12:47
23:50:12 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 15वर्ष 11मा 17दि	22:39:45	कर्क	लग्न	वृष	10:26:19	सूर्य 1वर्ष 0मा 17दि
बुध	08:46:39	कन्या	सूर्य	मक	04:13:16	राहु
13/09/2014	05:27:46	वृश्चि	चंद्र	कन्या	07:40:19	05/02/2016
13/09/2031	29:00:17	कर्क	मंगल	कुंभ	00:37:37	05/02/2034
बुध 09/02/2017	08:50:25	कन्या	बुध	धनु	13:38:11	राहु 18/10/2018
केतु 06/02/2018	27:55:51	कुंभ व	गुरु	कुंभ	02:12:10	गुरु 13/03/2021
शुक्र 07/12/2020	29:51:11	सिंह	शुक्र व	मक	01:07:48	शनि 18/01/2024
सूर्य 13/10/2021	08:23:45	मेष व	शनि	मीन	20:40:54	बुध 06/08/2026
चन्द्र 15/03/2023	07:09:21	सिंह व	राहु	सिंह	17:27:08	केतु 25/08/2027
मंगल 11/03/2024	07:09:21	कुंभ व	केतु	कुंभ	17:27:08	शुक्र 24/08/2030
राहु 28/09/2026	15:11:19	मक व	हर्ष	मक	14:15:53	सूर्य 19/07/2031
गुरु 03/01/2029	05:36:53	मक व	नेप	मक	05:45:50	चन्द्र 17/01/2033
शनि 13/09/2031	11:54:44	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:28:40	मंगल 05/02/2034

लग्न-चलित

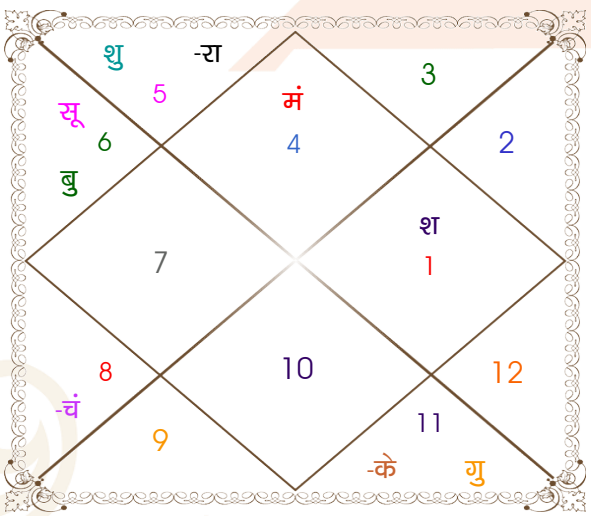

लग्न-चलित

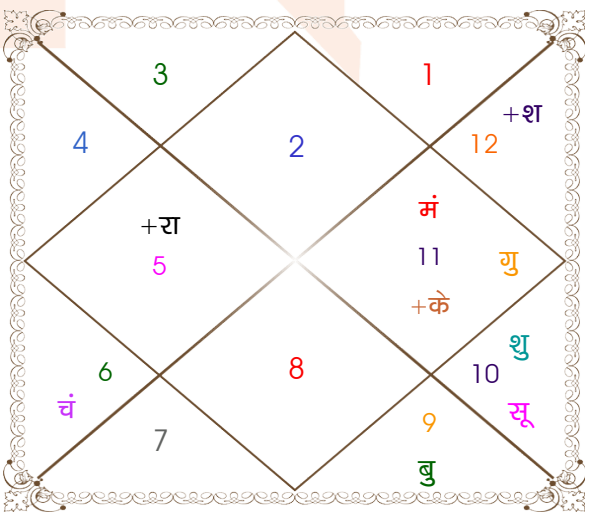

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Akashy jain का वर्ग सर्प है तथा Pranali का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akashy jain और Pranali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Akashy jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Akashy jain कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pranali मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Pranali कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Akashy jain तथा Pranali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977